प्रश्नः अमेरिकी क्रांति विलक्षण आकस्मिकता के साथ घटित प्रतीत होती है, इसको संभव बनाने के लिए अनेक प्रतिभाशाली नेता 1763 से 1775 के बीच में उभरे। सविस्तार स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः ब्रिटिश नीति के विरूद्ध अमेरिकी बस्तियों में क्रमिक रूप में असंतोष उमड़ रहा था। ब्रिटिश वाणिज्यवादी नीति के विरूद्ध अमेरिकी पूंजीपति वर्ग में पहले से ही बेचैनी महसूस की जा रही थी। किंतु 1760 के दशक में घटित होने वाली कुछ घटनाओं ने अमेरिकी बस्तियों में एक आक्रोश को जन्म दिया तथा अलग–अलग क्षेत्र में उभर रहे बुद्धजीवी और नेताओं ने इसे एक स्वतंत्रता आंदोलन तथा क्रांति की ओर मोड़ दिया।

1761 में जब ब्रिटिश सरकार के द्वारा तस्करी को कठोरता से कुचलने का प्रयास किया गया तो फिर एक अमेरिकी नेता '**जेम्स ओटिस**' ने ब्रिटिश सरकार के इस कदम का विरोध किया।

उसी प्रकार जब 'ग्रेनविले' की सरकार के द्वारा 1765 में स्टाम्प एक्ट लगाया गया तो वर्जीनिया की असेम्बली में '**पेट्रिक हेनरी**' ने इसका विरोध करते हुए अमेरिकी लोगों के प्रतिनिधित्व का मुद्दा उठाया। फिर 'पेट्रिक हेनरी' तथा 'जेम्स ओटिस' ने स्टाम्प एक्ट का विरोध करने के लिए एक असेम्बली की मांग उठाई।

आगे ब्रिटिश चाय के निर्यात का विरोध करते हुए वोस्टन में '**सैमुएल एडम्स**' सामने आए तथा 1773 के वोस्टन टी पार्टी के प्रेरक व्यक्तित्व बने रहे। फिर 'सैमुएल एडम्स' और '**जॉन एडम्स**' ने अमेरिकी स्वतंत्रता की मांग उठाई। '**टॉमस पेन**' नामक एक विद्वान ने भी अमेरिकी स्वतंत्रता को न्यायोचित करार दिया।

ब्रिटेन के विरूद्ध विदेशी सहायता प्राप्त करने के लिए अमेरिकी स्वतंत्रता की उद्घोषणा आवश्यक थी। तत्पश्चात् '**टामस जेफरसन**' नामक नेता ने अमेरिकी स्वतंत्रता की उद्घोषणा का प्रारूप निर्मित किया और अंत में 4 जुलाई 1776 को अमेरिकी बस्तियों ने स्वतंत्रता की घोषणा कर दी। इस तरह राजनेता और बुद्धजीवियों ने जन–असंतोष को एक नई दिशा दे दी।